

## तेरा सुमिरन | by Sheetal Pandey

तेरा सुमिरन तेरा दर्शन यही आधार मेरा  
इसके बदले मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूँ

मुझे है नाज़ प्रभु आपकी इस रेहमत पे  
मैं तो हर रोज़ तेरे गीत गुनगुनाता हूँ  
मुझे दरकार नहीं श्याम किसी उत्सव की  
मैं तो होली दिवाली रोज़ ही मनाता हूँ  
तेरा जलसा तेरा कीर्तन यही त्यौहार मेरा  
इसके बदले मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूँ

मैंने देखे हैं दुनिया भर के नज़ारे लेकिन  
मेरे मन को तो श्याम बस तेरा ही दर भाये  
तेरी चौखट पे सिर झुका के चैन मिलता यूँ  
जैसे बच्चे को मा की गोद में सुकूँ आये  
तेरा मंदिर तेरा आँगन यही घर बार मेरा  
इसके बदले मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूँ

मेरे हाथों की लकीरों में जो लिखा ना था  
मैंने तेरे दर से श्याम रिश्ता वो भी पाया है  
मुझे जब भी पड़ी दरकार तेरी रेहमत की  
श्याम प्रेमी के रूप में तू ही तो आया है  
तेरे प्रेमी तेरे सेवक यही परिवार मेरा  
इसके बदले मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूँ  
तेरा सुमिरन.....

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%a8-by-sheetal-pandey/>